एक नजर में

नपाध्यक्ष ने किया नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

सीहोर . वार्ड 19 स्थित वाल्मीकि नगर में नगर विकास को नई दिशा देते हुए लगभग 6 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन नपाध्यक्ष द्वारा सम्पन्न किया गया . नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को गंदे पानी और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी .इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र राजपूत, कमलेश राठौर, जितेंद्र चौरे, रतनलाल भैरवे, संजय कछवाय, शिव सिंह, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, जतन भैरवे, कैलाश कलोसिया, आनंद खरे, लखन पचवारिया, देव दिसावरी, राहुल परोचे, भारत भैरवे आदि उपस्थित थे .

खिलाड़ियों को मिलेंगी हॉल में आधुनिक सविधाएं : राय

सीहोर . सोमवार को विधायक सुदेश राय ने मल्टी परपज हॉल का भूमि पूजन किया . चर्च ग्राउंड पर मल्टी पर्पस हॉल का निर्माण कर 78 लाख रुपए से किया जाएगा . मल्टी परपस हॉल की सौगात देने पर खेल शिक्षकों और खिलाड़ियों और चर्च ग्राउंड पर मॉर्निंग वॉक करने वाले क्षेत्र के नागरिको ने विधायक सुदेश राय का फूल मालाए पहनाकर स्वागत कर आभार व्यक्त किया . भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक सुदेश राय ने कहा कि यह मल्टी पर्पस हॉल विशेष रूप से खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बनाया जा रहा है . खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विभिन्न खेल संबंधी आयोजनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होगा . इससे क्षेत्र के युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के नए अवसर प्राप्त होंगे .

सफरनामा में युवाओं ने सुर और शब्दों से बांधा समां

सीहोर . युवाओं की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने और उन्हें एक बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक सखा सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ओपन माइक सफरनामा कार्यक्रम का आयोजन किया गया . कार्यक्रम का संचालन रितु मेवाड़ा एवं पलक गौर द्वारा किया गया . कार्यक्रम में अबीर शर्मा, मितांश खरे, सार्थक कलोदिया, श्रेयांश मेवाड़ा और समृद्धि टेकाम ने गायकी का हुनर दिखाकर मंत्रमुग्ध कर दिया . वहीं,कवयित्री याशिका सरकार ने कविताओं से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए . नरेंद्र विश्वकर्मा एवं आशीष राठौर ने म्यूजिक मेंटर की भूमिका निभाई . इस अवसर पर पलक नागर, रानू नागर, सुहानी मेवाड़ा, तनूजा परमार नागर आदि मौजूद थे .

तैराकी खिलाड़ी विनीता को विधायक ने किया सम्मानित

सीहोर . स्थानीय बजरंग कॉलोनी निवासी तैराकी खिलाड़ी विनीता वर्मा ने यूनिवर्सिटी राज्य स्तरीय चंडीगढ़ में आयोजित प्रतियोगिता में सेकंड स्थान प्राप्त किया . विधायक सुदेश राय ने छात्रा तैराकी खिलाड़ी विनीता वर्मा को अपनी माता संतोषी वर्मा के साथ अपने निवास पर आमंत्रित कर सम्मानित किया . विधायक राय ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और खेल युवा कल्याण मुख्यमंत्री विश्वास सारंग खिलाड़ियों के लिए योजनाएं संचालित कर रहे हैं . इनके लाभ से खिलाड़ी अपने माता-पिता देश और जिले का नाम रोशन कर रहे हैं . शहर की बिटिया विनीता ने तैराकी में बेहतरीन प्रदर्शन कर पुरस्कार अर्जित किया है, यह गौरव की बात है .

पिपलेश्वर महादेव मंदिर पर भंडारे में उमड़ी भीड़

सीहोर . पिपलेश्वर महादेव मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी समिति के तत्वावधान में भंडारे का आयोजन किया गया . सुबह समिति के पदाधिकारियों ने भगवान शिव का विशेष अभिषेक किया और रात में महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण हुआ . समिति के अध्यक्ष मनोज जैन ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी भव्य भंडारे का आयोजन किया गया था . कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का भंडारा समिति अध्यक्ष राजेश शर्मा, कमलेश पारिक, महेश पारिक आदि ने स्वागत और सम्मान करते हुए भोजन प्रसादी का वितरण किया . भंडारे के पहले रात्रि सात बजे महाआरती का आयोजन किया गया . समाजसेवी अखिलेश राय, विधायक सुदेश राय, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, पूर्व विधायक रमेश सक्सेना, नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर, सन्नी महाजन, राजीव गुजराती, नगर मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति सहित अन्य अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया गया .

44 डिग्री तपिश में प्यास बुझाने की जद्दोजहद

भीषण गर्मी में बूंद- बूंद पानी को तरस रहे जिले के गांव, कोसों दूर से पानी ढोकर लाना बना मजबूरी

सीहोर . आसमान से बरसती आग के बीच प्यास बुझाने के लिए पानी का इंतजाम करने के लिए महिलाएं खतरों का सामना कर रही हैं .

नवभारत न्यूज

सीहोर 18 मई. जिले के गांव इन दिनों भीषण जल त्रासदी झेल रहे हैं. 44 डिग्री की झुलसाती गर्मी में ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार सिस्टम गहरी नींद में सोया हुआ है. महिलाएं जान जोखिम में डालकर गहरे कुओं में उतर रही हैं, बच्चे मटमैला पानी पीने को मजबूर हैं और प्रशासन फाइलों में योजनाओं का ढिंढोरा पीट रहा है.

- ग्रामीणों का कहना बजट कटौती से रुका नलकूप खनन
- गहरे कुओं में उतरकर पानी भरने को लाचार महिलाएं

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जल संकट के बीच नए नलकूप खनन का बजट ही लगभग 70 प्रतिशत घटा दिया गया, जिससे दर्जनों प्यासे गांव राहत से वंचित रह गए. अब ग्रामीणों का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है. जिले के ग्रामीण इलाकों में इस समय हालात किसी सूखे प्रभावित क्षेत्र जैसे दिखाई देने लगे हैं. आसमान से बरसती आग और 44 डिग्री के पार पहुंचा तापमान ग्रामीणों की जिंदगी पर भारी पड़ रहा है.

गांवों में पानी का संकट इतना गहरा गया है कि लोग दिनभर सिर्फ पीने के पानी की तलाश में भटक रहे हैं. सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें कई किलोमीटर दूर जाकर पानी जुटाना पड़ रहा है.

किसान एमएस मेवाड़ा ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पीएचई मंत्री और प्रभारी मंत्री को पत्र लिखकर जल संकट प्रभावित गांवों में तत्काल नए नलकूप खनन कराने की मांग की है. उनका कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो आगामी दिनों में हालात और ज्यादा विस्फोटक हो सकते हैं. स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि दूषित पानी के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा है. ग्रामीणों को डर है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो गर्मी के इस मौसम में जलजनित बीमारियां फैल सकती हैं. ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार से मांग की है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का बजट बढ़ाया जाए और जिले को कम से कम 100 से अधिक नए नलकूपों की तत्काल स्वीकृति दी जाए.

जान जोखिम में डालकर उलीच रहे गंदा पानी

ग्राम पंचायत रामगढ़ के सरपंच प्रतिनिधि अशोक मीणा ने बताया कि गांव में जल संकट बेहद गंभीर हो चुका है . कई परिवारों को झिरियां खोदकर पानी निकालना पड़ रहा है, जबकि अनेक महिलाएं गहरे कुओं में उतरकर अपनी जान जोखिम में डाल रही हैं . कुओं में बचा पानी भी इतना गंदा है कि उसे कपड़े से छानकर पीना पड़ रहा है . उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन मिले हैं, समाधान नहीं .

सुबह होते ही शुरू होती पानी के लिए भागदौड़

ग्रामीण महिलाओं रेशम बाई, गौरी बाई, कोसा बाई, राजकुमार बाई और गायत्री बाई ने बताया कि गांव के अधिकांश हैंडपंप सूख चुके हैं . सुबह होते ही पानी के लिए दौड़ शुरू हो जाती है . कई बार दो-दो किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, तब कहीं थोड़ा बहुत पानी मिल पाता है . महिलाओं का कहना है किइतनी मशक्कत करने के बाद भी साफ पानी नसीब नहीं हो रहा ., लेकिन प्रशासनिक स्तर पर समय रहते कोई ठोस तैयारी नहीं की गई . अब जब संकट भयावह रूप ले चुका है तब भी जिम्मेदार अधिकारी फाइलों और बैठकों में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं . गांवों में टैंकर व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है, जिससे परेशानी और बढ़ गई है .

नए नलकूप खनन के बजट में कटौती

ग्रामीणों के अनुसार विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस वर्ष पीएचई विभाग को नए नलकूप खनन के लिए मात्र लगभग 30 बोर का लक्ष्य और बजट मिला है, जबकि पिछले वर्ष करीब 100 नलकूपों के लिए बजट स्वीकृत हुआ था . यानी इस बार लगभग 70 प्रतिशत बजट में कटौती कर दी गई . इसी कारण अधिकांश जल संकट प्रभावित गांवों में नए बोर खनन का कार्य शुरू ही नहीं हो पा रहा .

78 वर्षीय पूर्व सैनिक ने की सीवन परिक्रमा

सीहोर. एक ओर 45 डिग्री तापमान, भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से लोग घरों में दुबके रहे, वहीं दूसरी ओर 78 वर्षीय पूर्व सैनिक रामगोपाल आर्य ने अपने अदम्य साहस से सभी को प्रेरित कर दिया. मनकामेश्वर मंदिर से प्रारंभ हुई मां सीवन परिक्रमा में वे हाथ में तिरंगा लेकर लगभग 4 किलोमीटर पैदल चलते रहे और भारत माता की जय व वंदे मातरम के जयघोष करते हुए समाज को संदेश देते नजर आए.आर्मी से सेवानिवृत्त श्री आर्य ने इस भीषण गर्मी में भी यह साबित कर दिया कि जब मन में देशप्रेम, समाज सेवा और मानवता के प्रति समर्पण का भाव हो तो कोई भी परिस्थिति इंसान के इरादों को डिगा नहीं सकती. जहां तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण पक्षी तक अपने घोंसलों में बैठे थे, वहीं दादा रामगोपाल आर्य पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ मां सीवन परिक्रमा में शामिल रहे. परिक्रमा के दौरान जब लोगों ने उनसे इतनी गर्मी में निकलने का कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि जब बात देश, समाज, मानव सेवा और जीव सेवा की हो तो विपरीत परिस्थितियां कभी रास्ता नहीं रोक सकतीं. उन्होंने कहा जल होगा तो कल होगा और मां सीवन जैसी जीवनदायिनी नदी की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है.

ई- विकास पोर्टल से मिलेगा पर्याप्त उर्वरक

सीहोर. कृषि विभाग द्वारा ई-विकास प्रणाली के संबंध में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित कर ई-विकास उर्वरक वितरण प्रणाली के विषय में जानकारी दी गई. ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को उनके रकबे के अनुसार फसल जैसे मक्का धान, सोयाबीन आदि चयन करने पर एक ही बार में संपूर्ण उर्वरक मिल सकेगा. ई-टोकन प्रणाली में कृषक अपने मोबाइल से आसानी से टोकन जारी कर उर्वरक बुक कर सकते हैं अथवा एमपी ऑनलाइन केन्द्रों पर 15 रुपए का शुल्क देकर भी टोकन जारी करा सकते हैं. सिकमी ठेकेदार/ बटाईदार किसान जो भूमि स्वामी नहीं है वे अपने भू स्वामी की अनुमति से एग्री स्टेक पोर्टल के माध्यम से प्रतिनिधि किसान बनकर ई-टोकन बुक कर सकते हैं.

15 साल की अवधि में जिले में बनीं 1 .78 लाख नई संपत्तियां

- जनगणना के पहले चरण में 4 .35 लाख संपतियों की लिस्टिंग
- आबादी 16 लाख के पार होने का अनुमान

नवभारत न्यूज

सीहोर 18 मई. जिले में शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचलों में भी तेजी से विकास हो रहा है. जनगणना 2027 के पहले चरण की हाउस लिस्टिंग प्रक्रिया में यह तस्वीर सामने आई है. वर्ष 2011 की तुलना में जिले में करीब 1.78 लाख नई संपत्तियां बढ़ी हैं. 98 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है.

जिले में जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान गणना और हाउस लिस्टिंग का कार्य अंतिम दौर में पहुंच गया है. 1 मई से शुरू हुई प्रक्रिया में अब तक जिले की कुल 4 लाख 35 हजार 402 संपत्तियों की लिस्टिंग की जा चुकी है. यह आंकड़ा वर्ष 2011 की जनगणना की तुलना में काफी अधिक है. उस समय जिले में 2 लाख 57 हजार 311 संपत्तियां दर्ज थीं. यानी पिछले 15 वर्षों में जिले में 1 लाख 78 हजार 91 नई संपत्तियां अस्तित्व में आई हैं.

औसत के हिसाब से देखें तो जिले में हर साल लगभग 11 हजार 872 नई संपत्तियां बनी हैं. इससे स्पष्ट है कि शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से निर्माण और विकास कार्य हुए हैं. जनगणना प्रभारी जमील खान के अनुसार जिले में कुल 2405 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स बनाए गए थे, जिनमें से 2334 ब्लॉक्स में कार्य पूरा हो चुका है. शेष 71 ब्लॉक्स में भी अगले 24 घंटे के भीतर काम पूरा कर लिया जाएगा.

गौरतलब है कि वर्ष 2011 की जनगणना में जिले की कुल आबादी 13 लाख 11 हजार 332 दर्ज की गई थी. यदि पिछले 15 वर्षों में आबादी में लगभग 15 प्रतिशत वृद्धि मानी जाए तो जिले की जनसंख्या 16 लाख के पार पहुंच सकती है. हाल ही में हुए एसआईआर सर्वे में भी जिले की आबादी लगभग 16.12 लाख होने का अनुमान सामने आया था.

सीहोर शहरी व इछावर क्षेत्र में काम धीमा

अब तक की प्रगति में सीहोर शहरी और इछावर तहसील क्षेत्र में काम की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही है . सीएमओ सीहोर के अंतर्गत आने वाले 157 ब्लॉक्स में से 126 में कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 31 ब्लॉक्स में अभी प्रक्रिया जारी है . वहीं इछावर तहसील क्षेत्र के 263 ब्लॉक्स में से 239 में कार्य पूरा हो गया है और 24 ब्लॉक्स में काम अंतिम चरण में है . आष्टा तहसील के 5 ब्लॉक्स, बुदनी नगर पंचायत के 5 ब्लॉक्स, कोठरी और रेहटी नगर पंचायत के 2-2 ब्लॉक्स तथा श्यामपुर और रेहटी तहसील क्षेत्र के 1-1 ब्लॉक में भी जनगणना कार्य जारी है .

अब चलेगा पॉपअप राउंड

जनगणना के पहले चरण में मकानों की गणना का कार्य लगभग पूरा हो चुका है . कई प्रगणकों ने 10 दिनों के भीतर ही अपना कार्य समाप्त कर लिया था . अब विभाग द्वारा पॉपअप राउंड चलाया जाएगा, जिसमें उन घरों की दोबारा जांच होगी जो पहले छूट गए थे या जिनमें ताला लगा मिला था . संबंधित परिवारों से दोबारा संपर्क कर जानकारी जुटाई जाएगी . यह विशेष अभियान 30 मई तक चलेगा, ताकि जिले के भवनों और परिवारों का सटीक डाटा तैयार किया जा सके .

30 साल बाद फिर गुलजार हुए स्कूल के गलियारे

- स्कूल में पूर्व छात्रों ने मिलन समारोह में ताजा की यादें
- कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से आए थे पूर्व छात्र

नवभारत न्यूज

बुधनी 18 मई. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुराने स्कूल परिसर में पूर्व छात्रों का भव्य मिलन समारोह आयोजित किया गया. 30 साल बाद मिले पुराने साथियों ने स्कूल के दिनों की यादें ताजा कीं.

देश के विभिन्न शहरों ग्वालियर, अहमदाबाद, पुणे, मुंबई, जबलपुर और भोपाल सहित कई स्थानों से पूर्व छात्र अपने पुराने स्कूल पहुंचे. वर्षों बाद आमने-सामने आए दोस्तों ने पुरानी यादों को साझा किया. कई साथी भावुक नजर आए.

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण राजेश यादव द्वारा बस से नगर भ्रमण रहा. पुराने रास्ते, बाजार और यादों से जुड़े स्थान देखकर सभी साथी भावुक हो उठे. इस अवसर पर उद्योगपति मंजीत राजपूत, इंजीनियर राजेश मीणा, अनिल शर्मा, शिक्षक नवल निमोदा, हरदयाल सिंह, डॉ. बंसीलाल, पार्षद श्रीकांत शर्मा, प्रवीण भावसार, संतोष मालवीय, मुकेश साहू, राधिकेश महाराज, धीरेन्द्र तिवारी, नरेश मालवीय, हरगोविंद मालवीय उपस्थित थे.

सीहोर का नाम सिद्धपुर करने की मांग

नवभारत न्यूज

सीहोर 18 मई . सोमवार को जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा. कांग्रेस ने राज्यपाल से जिला मुख्यालय का नाम परिवर्तित कर सिद्धपुर किए जाने, निर्माणाधीन हाऊसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज का नाम अंबेडकर सेतु किए जाने सहित नगर के विभिन्न चौराहों और मंडी रेलवे ओवरब्रिज का आधिकारिक रूप से नामकरण किए जाने की मांग की.

पंकज शर्मा ने बताया कि नगर का प्राचीन नाम सिद्धपुर है, जिसे बदलकर सीहोर कर दिया गया था, जिसे फिर बदलकर सिद्धपुर किए जाने की मांग जनता द्वारा कई वर्षों से की जा रही है, लेकिन अब तक इसकी प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हो सकी है. जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्रातिशीघ्र राज्य सरकार को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए जाने चाहिए. उन्होंने कहा कि नगर में निर्माणाधीन हाऊसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज का नामकरण संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर अंबेडकर सेतु किए जाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कराई जानी चाहिए.

जल समस्याओं के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

सीहोर. मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना एवं नीलकंठ ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया. मरदानपुर योजना में पेयजल संबंधी समस्या होने पर नागरिक मोबाईल नंबर 7898401752 तथा नीलकंठ योजना में पेयजल संबंधी समस्या पर नंबर 6260634008 पर संपर्क किया जा सकता है. ग्राम मरदानपुर और नीलकंठ योजना के लिए ग्राम सोंठिया में हेल्पडेस्क भी बनाई गई है. मरदानपुर योजना से बुधनी एवं भैरूंदा के 161 तथा नीलकंठ ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना से भैरूंदा के 44 गांवों में पेयजल सप्लाई किया जाता है.

टीएल बैठक — टीएल बैठक में पटाखा फैक्ट्रियों एवं विस्फोटक सामग्री का उपयोग करने वाले संस्थानों का निरीक्षण करने के दिए निर्देश

प्रकरणों में लापरवाही बरतने पर अधिकारियों को लगी फटकार

नवभारत न्यूज

सीहोर 18 मई. सोमवार को कलेक्टर बालागुरू के की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित की गई. उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए.

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा भेजे जा रहे भूमि आवंटन के आधे-अधूरे प्रकरणों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई. उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रकरण आवश्यक दस्तावेजों और पूर्ण जानकारी के साथ ही प्रस्तुत किए जाएं, ताकि आवंटन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो.

कलेक्टर ने कहा कि अपूर्ण जानकारी के कारण भूमि आवंटन की कार्यवाही प्रभावित होती है तथा समय पर निर्णय नहीं हो पाता. सभी विभागों को प्रकरणों की गंभीरता से समीक्षा कर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. इसके साथ ही बैठक में नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए चल रहे भू-अर्जन कार्यों की भी समीक्षा की गई.

कलेक्टर ने जिले में संचालित पटाखा फैक्ट्रियों एवं विस्फोटक सामग्री का उपयोग करने वाले

संस्थानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके. कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर जांच अभियान चलाने के निर्देश भी दिए. उन्होंने कहा कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

साथ ही सुरक्षा उपकरणों एवं अग्निशमन व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया. कलेक्टर ने जिले के नदी घाटों एवं बांधों में संचालित नौकायन गतिविधियों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि नौका संचालन के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए. अधिकारियों को लाइफ जैकेट, सुरक्षा उपकरण एवं क्षमता अनुसार ही यात्रियों को बैठाने के निर्देश दिए. घाटों एवं बांध क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखने को भी कहा. लापरवाही पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए.